गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 02 अंक: 49 | गोरखपुर रविवार 18 मई 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

श्रमिक और उद्योगपति एक-दूसरे के पूरक, श्रम कानून हो प्रो-इंडस्ट्री एवं प्रो-श्रमिक: योगी आदित्यनाथ

- मुख्यमंत्री ने श्रम एवं सेवायोजन विभाग की समीक्षा बैठक की
- मुख्यमंत्री ने कहा-उद्योगों का विस्तार ही हर हाथ को काम देने का वास्तविक माध्यम
- पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में 99%की वृद्धि के साथ 13,644 नए कारखाने पंजीकृत
- निवेश मित्र पोर्टल पर 5.9 लाख से अधिक आवेदनों को मिल चुकी है एनओसी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को श्रम एवं सेवायोजन विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि श्रमिक और उद्योगपति एक-दूसरे के पूरक हैं, न कि प्रतिस्पर्धी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की औद्योगिक प्रगति तभी संभव है जब श्रम कानूनों को प्रो-इंडस्ट्री और प्रो-श्रमिक दोनों दृष्टियों से संतुलित बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रम कानूनों का सरलीकरण इस प्रकार किया जाए जिससे उद्योगों को सुविधा मिले, लेकिन यह भी सुनिश्चित हो कि श्रमिकों के शोषण या उनके साथ अमानवीय व्यवहार की कोई संभावना न रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर हाथ को काम देने के लिए हमें उद्योगों को सशक्त करना होगा। उद्योग बंद कर किसी को रोजगार नहीं दिया जा सकता, बल्कि उद्योगों का विस्तार ही अधिकाधिक रोजगार सृजन का माध्यम है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की स्थिति में श्रमिकों और उनके परिवारों को सुरक्षा मिले, इसके लिए उन्हें सम्मानजनक मानदेय और बीमा सुरक्षा कवच देना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए राज्य सरकार का प्रयास है कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा श्रमिक-हितैषी और उद्योग समर्थ राज्य बनकर उभरे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल श्रमिकों को केवल आजीविका से नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और स्पॉन्सर्ड स्कीम्स से जोड़ते हुए उनके पुनर्वासन की दिशा में तीव्र गति से कार्य किया जाए। यह न केवल सामाजिक दायित्व है बल्कि भावी पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देने का दायित्व भी है। मुख्यमंत्री ने श्रमिक अड्डों को मॉडल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए, जहां डोरमेट्री, शौचालय, पेयजल, कैंटीन और ट्रेनिंग सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि कैंटीन में श्रमिकों को 5-10 रुपये में चाय, नाश्ता और भोजन मिले, यह सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की स्किल मैपिंग कराकर न्यूनतम मानदेय की गारंटी व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह असंगठित कार्यबल को संगठित श्रम शक्ति में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी।

सीएम स्टालिन ने केंद्र सरकार पर तानाशाही का लगाया आरोप

एजेंसी

ऊटी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्र सरकार पर लगातार तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल मामले में राष्ट्रपति की ओर से मांगे गए स्पष्टीकरण मुद्दे पर अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों और नेताओं से चर्चा की जाएगी। सीएम स्टालिन ने कहा कि उनके विचारों और सुझावों के आधार पर इस मामले में उचित कार्रवाई तय की जाएगी। मुख्यमंत्री फिलहाल नीलगिरी जिले के ऊटी में पांच दिवसीय दौरे पर हैं। शुक्रवार सुबह सैर के दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की। राज्यपाल आरएन रवि मामले पर स्टालिन ने कहा कि केंद्र सरकार का रवैया लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र राज्यों की स्वायत्तता को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है।

भाजपा नेताओं के बयान पर बोलीं प्रियंका गांधी, बार-बार सेना का अपमान किया जाना शर्मनाक

उपमुख्यमंत्री ने अपने बयान में कहा था कि हमने देखा है कि पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाया गया, उनके धर्म की पहचान की गई, महिलाओं को अलग ले जाया गया और पुरुषों को उनके परिवार के सदस्यों, उनके बच्चों के सामने गोली मार दी गई। तब से, इस देश के लोग तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों से बदला नहीं ले लेते।

एजेंसी

नई दिल्ली। विजय शाह के बाद मध्य प्रदेश के एक और नेता ने देश की सशस्त्र सेनाओं से जुड़ी एक विवादित टिप्पणी की है। इस बार मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग लेने आए स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। देवड़ा ने पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में भारत के हमलों का जिक्र करते हुए उपस्थित लोगों से कहा कि सेना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चरणों में नतमस्तक है। इसके बाद अब विपक्ष भाजपा पर पूरी तरह से हमलावर हो गया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी ट्वीट कर अपनी नाराजगी जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भाजपा के नेताओं की ओर से लगातार हमारी सेना का अपमान अत्यंत शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। पहले मध्य प्रदेश के एक मंत्री ने महिला सैनिकों पर अभद्र टिप्पणी की और अब उनके उपमुख्यमंत्री ने सेना का घोर अपमान किया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश की जनता सेना के शौर्य पर गौरवान्वित है लेकिन भाजपा के लोग सेना को अपमानित कर रहे हैं और भाजपा अपने इन नेताओं पर कार्रवाई करने की जगह उन्हें बचाने में पूरा जोर लगा रही है। भाजपा ऐसा करके हमारी सेना और देशवासियों को क्या संदेश देना चाहती है? उपमुख्यमंत्री ने अपने बयान में कहा था कि हमने देखा है कि पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाया गया, उनके धर्म की पहचान की गई, महिलाओं को अलग ले जाया गया और पुरुषों को उनके परिवार के सदस्यों, उनके बच्चों के सामने गोली मार दी गई।

पाकिस्तान को दी मदद पर सोचे आईएमएफ...

भुज एयरबेस से बोले राजनाथ, टेरर फंडिंग में जाएगा पाकिस्तान को मिला लोन

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से पाकिस्तान को किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता दिए जाने का कड़ा विरोध करते हुए चेतावनी दी कि इस प्रकार की सहायता से उसकी धरती से गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकवादी संगठनों को वित्त पोषण मिल सकता है। सिंह ने कहा कि आईएमएफ की सहायता का इस्तेमाल इन आतंकवादी संगठनों को वित्तपोषित करने के लिए किया जाएगा। पाकिस्तान को कोई वित्तीय सहायता नहीं दी जानी चाहिए, अन्यथा वह आतंकवाद को वित्तपोषित करेगा।

हम चाहते हैं कि आईएमएफ इस पर फिर से विचार करे। राजनाथ सिंह ने एक तीखा बयान जारी किया, जिसमें सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए वैश्विक वित्तपोषण के दुरुपयोग पर भारत की चिंताओं को रेखांकित किया गया। भुज में राजनाथ ने कहा कि यह कोई छोटी बात नहीं है कि हमारी एयरफोर्स की पहुँच पाकिस्तान के हर कोने तक है, यह बात पूरी तरह साबित हो चुकी है। आज स्थिति यह है कि भारत के फाइटर प्लेन बिना सरहद पार किए ही, यहीं से उनके हर कोने तक प्रहार करने में सक्षम है। पूरी दुनिया ने देख लिया है कि कैसे आपने पाकिस्तान की धरती पर मौजूद, आतंकवाद के नौ ठिकानों को ध्वस्त कर दिया; बाद में की गई कारवाई में उनके अनेक एयरबेस तबाह कर दिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इंडियन एयरफोर्स ने केवल पराक्रम ही नहीं दिखाया है, बल्कि पूरी दुनिया के सामने प्रमाण भी दिया है। प्रमाण इस बात का कि अब भारत की युद्ध नीति और तकनीकी दोनों बदल चुकी है। आपने नए भारत का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत को तो पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया है। हमारे देश में एक कहावत काफी पुरानी है और वह है - दिन में तारे दिखाना।

इंडिया गठबंधन कमजोर पड़ गया है

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (INDIA) भारत में कई राजनीतिक दलों का एक बड़ा बहुदलीय राजनीतिक गठबंधन है, जिसका नेतृत्व देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस करती है। पिछले काफी समय में इंडिया ब्लॉक में काफी उतार चढाव देखे गये हैं। अब इसके भविष्य को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने गुरुवार को इंडिया ब्लॉक के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि विपक्षी गठबंधन अभी भी बरकरार है।

पंजाब में आप सरकार ने शुरू की नशा मुक्ति यात्रा, भगवंत मान के साथ मौजूद रहे अरविंद केजरीवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में चल रहे ड्रग्स के खिलाफ युद्ध के बीच 'नशा मुक्ति यात्रा' की घोषणा की, जिसे राज्य में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को खत्म करने के लिए प्रशासन द्वारा शुरू किया गया है। पंजाब में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के इस प्रयास में उनके साथ मुख्यमंत्री भगवंत मान भी होंगे। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति यात्रा पंजाब के प्रत्येक गांव और वार्ड में जाएगी ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नशीली दवाओं की बिक्री के खिलाफ लोगों के संकल्प को मजबूत किया जा सके। यह लोगों को नशे की लत के शिकार लोगों को इलाज मुहैया कराने के लिए राजी करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगी ताकि उनकी भलाई सुनिश्चित हो सके। केजरीवाल ने इसकी शुरूआत करते हुए कहा कि पंजाब में नशे के विरुद्ध छिड़ा हुआ है युद्ध।

सम्पादकीय

नफरती बोल

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश की बहादुर सेना ने जब पाक को सबक सिखा, देश को गौरव का अहसास कराया तब नफरती ट्रोल सेना, नीचता की सीमा तक गिरती नजर आई। जिसके विरोध में देश में तीखे गुस्से की लहर देखी गयी। इस बिगड़ैल ट्रोल सेना ने ऑनलाइन गाली-गलौज करने में किसी को भी नहीं बख्शा। यहां तक कि सादगी के व्यक्तित्व व गरिमापूर्ण अभिव्यक्ति वाले विदेश सचिव विक्रम मिसरी तक को नहीं छोड़ा। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा भी निशाने पर आए। यहां तक कि पहलगाम हमले में विधवा हुई हिमांशी नरवाल को भी नहीं बख्शा गया। इसकी वजह यह थी कि उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने और पहलगाम की घटना के बाद कश्मीरियों को निशाने पर न लेने का आान किया था। निश्चित रूप से यह देश में सामाजिक समरसता के लिये वक्त की आवाज भी थी। लेकिन सबसे परेशान करने वाली घटना वह थी, जिसमें भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह ने बेसिर-पैर का सांप्रदायिक सोच वाला बयान दिया। दरअसल, इस सप्ताह की शुरूआत में मंत्री विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफ देने वाली कर्नल सोफिया के बारे में चैंकाने वाली सांप्रदायिक टिप्पणी की थी। निश्चय ही देश के लिये महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिला सैन्य अधिकारी के बारे में ऐसी टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। मंत्री ने असंगत रूप से पहलगाम में आतंक फैलाने वाले आतंकवादियों से दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से साम्य दशार्ने का कुत्सित प्रयास किया। हालांकि यह टिप्पणी सोमवार को की गई थी, लेकिन मंत्री शाह के खिलाफ प्राथमिकी मुश्किल से बुधवार रात दर्ज की गई। वह भी शासन द्वारा स्वतरू संज्ञान लेने के बजाय मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की सख्ती के बाद ही दर्ज की गई। हाईकोर्ट ने कर्नल कुरैशी के खिलाफ गटर की भाषा इस्तेमाल करने के लिए मंत्री शाह को फटकार लगायी। सही मायनों में हाईकोर्ट ने न केवल मंत्री को आईना दिखाया बल्कि तमाम बेलगाम बयानबाजी करने वालों को भी सख्त संदेश दिया।उल्लेखनीय है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद जब आरोपी मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट से राहत के लिये गुहार लगायी तो सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें आड़े हाथ लिया। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को चेतावनी दी कि एक मंत्री को ऐसे समय में जिम्मेदारी की भावना के साथ बोलना चाहिए, जब देश चुनौतिपूर्ण स्थिति से गुजर रहा हो। फिर कोर्ट की सख्ती के बाद शाह ने खेद व्यक्त किया। उन्होंने फिर सफाई दी कि वह कर्नल कुरैशी का अपनी बहन से ज्यादा सम्मान करते हैं। लेकिन जैसे कमान से निकला तीर वापस नहीं लौटता है, उसी तरह उनकी अनर्गल बयानबाजी से जो नुकसान हो चुका था, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं है। इससे बड़ी विसंगति यह भी कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की तात्कालिक गंभीर पहल नहीं की। यह विडंबना ही है कि पार्टी नेतृत्व इंतजार का खेल खेल रहा है। वहीं दूसरी ओर आरोपी मंत्री अपने बचाव के लिये कानूनी विकल्पों को आजमाने में व्यस्त रहा है। दरअसल, भाजपा की राजनीतिक मजबूरी यह है कि जातीय समीकरणों के हिसाब से वे पार्टी के लिये महत्वपूर्ण हैं।

राशिफल

मेषः- भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं।

बृषभ :- भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

मिथुन :- भावनाओं पर नियंतण्रखअपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :- महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक-सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :-किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

कन्याः- नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुलाः- कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन-सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिकः- किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

धनुः- रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकरः- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुंभः- पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन-सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा-पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।

मीनः- पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी।

भारत में अभी बयानबाजी की नहीं बल्कि राजनेतृत्व की जरूरत

डॉ. अरुण मित्रा

युद्ध दुख और मौतें लेकर आता है। पूर्व सेना प्रमुख मनोज नरवाने ने पुणे में कॉस्टअकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, युद्ध न तो रोमांटिक है और न ही कोई बॉलीवुड फिल्म। उन्होंने कहा कि कूटनीति उनकी पहली पसंद होगी, सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में सदमा है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, जिन्होंने गोलाबारी देखी है और जिन्हें रात में आश्रयों की ओर भागना पड़ता है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके लिए यह सदमा पीढ़ियों तक रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि जिन लोगों ने भयानक दृश्य देखे हैं, उनमें पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीडीएस) है, जो 20 साल बाद पसीने से तरबतर हो उठते हैं और उन्हें मनोचिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता होती है। युद्ध अंतिम विकल्प होना चाहिए, कूटनीति को आगे बढ़ना चाहिए। यही कारण है कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम का न केवल शांति कार्यकताओं बल्कि पूरे देश के लोगों ने जोरदार स्वागत किया। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग इस घोषणा से बहुत राहत महसूस कर रहे थे। पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों पर हमला करने का निर्णय लेने के तुरंत बाद, यह महसूस किया गया कि पाकिस्तान जवाबी कार्रवाई करेगा और यह बालाकोट की पुनरावृत्ति नहीं होगी। इसलिए सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों को खाली करवा दिया गया और लोगों को अस्थायी शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया। ऐसे शिविरों में जीवन हमेशा दयनीय होता है। यह मैं 1965 के युद्ध के दौरान एक किशोर के रूप में अपने अनुभव से कह सकता हूं जब हमारे स्कूल खाली करवा दिये गये थे, कक्षाएं बंद कर दी गयी थीं और सीमा से सटे गांवों के लोगों को हमारे स्कूल में स्थानांतरित कर दिया गया था। हम उनके लिए भोजन एकत्र कर रहे थे और उन्हें इन नये तथाकथित घरों में आपूर्ति कर रहे थे। कोई गोपनीयता नहीं, कोई पसंद का भोजन नहीं, कोई उचित आश्रय नहीं, कोई काम नहीं और बच्चों के लिए स्कूल के दिनों का नुकसान, मैं महसूस कर सकता था कि युद्ध कितना भयानक है। यह सर्वविदित तथ्य है कि दुनिया के किसी भी हिस्से में शरणार्थी शिविर में जीवन बहुत कठिन है, चाहे वह क्षेत्र कितना भी विकसित क्यों न हो। इसलिए जब युद्ध विराम हुआ, तो लोगों ने राहत की सांस ली। इस पृष्ठभूमि में सोमवार रात प्रधानमंत्री के भाषण से बहुत कुछ अपेक्षित था। एक महत्वपूर्ण सवाल जो लोगों के मन में पहले से ही आ रहा था, वह यह था कि हमारे प्रधानमंत्री के भाषण से कुछ मिनट पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कैसे की? यह आश्चर्यजनक था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते की घोषणा की और दोनों देशों को युद्ध विराम के लिए सहमत होने के लिए मजबूर किया, जबकि उन्होंने धमकी दी कि अगर वे युद्ध नहीं रोकेंगे तो वे व्यापार नहीं करेंगे। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद बोलने वाले नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा कही गयी बातों का खंडन करने में विफल रहे। इससे पता चलता है कि भारत और पाकिस्तान के मामलों में ट्रंप का स्पष्ट हस्तक्षेप और द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से मुद्दों को सुलझाने की हमारी समझ पर उनका हावी होना हमारे नेतृत्व द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। द्विपक्षीय वार्ता से मुद्दों के सुलझाने की समझ शिमला समझौता1972 से बनी थी। लेकिन दुर्भाग्य से प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में इस बारे में एक भी शब्द नहीं कहा। उनका पूरा भाषण पाकिस्तान की आलोचना करने और यह बताने पर केंद्रित था कि भारत भविष्य

में भी जरूरत पड़ने पर बल का प्रयोग करता रहेगा। इस समय उन्हें युद्ध विराम को मजबूत करने के बारे में बात करनी चाहिए थी और शांति के लिए भारत की प्रतिबद्धता को स्पष्ट शब्दों में व्यक्त करना चाहिए था।

हमेशा की तरह भारतीय सेना ने 7 मई को पहले ही दिन आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर बेहतरीन काम किया। जैसा कि प्रेस काफ्रेंस में प्रधान सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि हमारा काम केवल आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाना था और हमारा इरादा नागरिकों को मारना या पाकिस्तान के सैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाना नहीं है। हालांकि 7 मई के बाद पाकिस्तान द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई ने स्थिति को और खराब कर दिया। प्रधानमंत्री अगर भारत और पाकिस्तान के बीच स्थायी युद्ध विराम से शुरू करके दक्षिण एशियाई क्षेत्र में शांति को मजबूत करने की बात करते तो वे दक्षिण एशिया के एक बड़े नेता के रूप में आगे बढ़ते। लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया। बयानबाजी से भरा उनका भाषण केवल अंधभक्ति पैदा करके अपने चुनावी आधार को मजबूत बनाने के लिए था। उन्हें सार्क को मजबूत करने की बात करनी चाहिए थी ताकि सभी दक्षिण एशियाई देश मिलकर उन मुद्दों को सुलझा सकें जहां भारत पाकिस्तान पर आतंकवादी तंत्र को तोड़ने के लिए दबाव डाल सकता था।

कुछ खास...

राष्ट्रभक्ति की सीमाओं से परे सौदेबाजी

बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया। पुरानी कहावत है, लेकिन जब तक राजनीति और कारोबार कायम हैं, यह बात भी सोलह आने सच ही रहेगी। भाजपा तिरंगा यात्रा

निकालकर राष्ट्रवाद की नयी हुंकार भर रही है (हालांकि उसी तिरंगे से नाक पोंछने और यात्रा के बाद सड़क पर पड़े रहने के वीडियो सामने आए हैं), ऑपरेशन सिंदूर का सारा श्रेय मोदीजी के खाते में जमा किया जा रहा है। इसके साथ ही पाकिस्तान का साथ देने वाले अजरबेजान और तुर्किए का भी बड़े पैमाने पर बहिष्कार हो रहा है। लेकिन उधर नरेन्द्र मोदी के करीबी उद्योगपति मुकेश अंबानी डोनाल्ड ट्रंप से कतर में मुलाकात करते हैं। इस बीच ट्रंप का एक और भारत विरोधी बयान सामने आ गया है, जिसमें वो एप्पल के सीईओ टिम कुक का नाम लेकर कह रहे हैं कि मैंने टिम से कहा कि वे भारत में आईफोन बनाना बंद करें। उन्होंने कहा कि भारत को अपने हितों का ध्यान खुद रखने दें। भारत का दुश्मन देश जिस तरह के बयान दे सकता है, लगभग उसी तरह के बयान डोनाल्ड ट्रंप लगातार दिए जा रहे हैं। अमेरिका में बिना पूरे कागजात के रह रहे भारतीयों को जिस तरह हथकड़ी के साथ अपने सैन्य विमान में भेजा गया, वो दृश्य जनता नहीं भूली है। इसके बाद उन्होंने नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान उनके सामने ही कहा था कि वे भारत पर उतना ही टैरिफ लगाएंगे, जितना भारत लगाता है। इस धमकी के बाद उन्होंने भारत पर दबाव डाला कि वह अपना टैरिफ कम करे। टैरिफ के अलावा भारत और पाकिस्तान को लेकर डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया कि दोनों देशों के नेता उनके अच्छे मित्र हैं, दोनों देशों को ट्रंप ने एक पलड़े पर रखा। जबकि भारत पाक समर्थित आतंकवाद से पीड़ित देश है। ऑपरेशन सिंदूर के बीच में ही ट्रंप ने ऐलान कर दिया कि उन्होंने दोनों देशों के नेताओं से लंबी चर्चा की और युद्धविराम करवा दिया है। इसके बाद पाकिस्तान की तरफ से हमले हुए, लेकिन ट्रंप की नजर में फिर भी दोनों देश एक समान ही रहे। सऊदी अरब और कतर के दौरे पर भी ट्रंप ने युद्धविराम के लिए व्यापार का दबाव डालने वाला बयान दिया और भारत ने इसे नहीं नकारा। एक के बाद एक सारे भारत विरोधी बयानों के बाद अब ताजा बयान एप्पल के भारत में निवेश को रोकने के लिए ट्रंप ने दिया है। ट्रंप ने एक तरफ टिम कुक से कहा कि वे भारत में आईफोन बनाना बंद करे, दूसरी तरफ ये भी कहा कि श्अगर आप भारत की मदद करना चाहते हो, तो ठीक है, लेकिन भारत दुनिया के सबसे ज्यादा टैरिफ वाले देशों में से एक है। वहां बेचना मुश्किल है। भारत ने हमें एक प्रस्ताव दिया है, जिसमें उन्होंने हमारे सामानों पर कोई टैरिफ नहीं लगाने का वादा किया है। गौर करने वाली बात है कि भारत क्या करने जा रहा है, या उसने क्या प्रस्ताव दिया है, यह बात नुक्कड़ की चाय दुकान पर होने वाली चर्चा में किसी आम शख्स ने नहीं कही है, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति की तरफ से ये बयान आए हैं, इसके बाद भी भारत सरकार कुछ कह क्यों नहीं रही। इन बयानों की सच्चाई सामने क्यों नहीं रख रही, यह समझ से परे है। ट्रंप लगातार भारत विरोधी बयान दे रहे हैं और मुकेश अंबानी उन्हीं ट्रंप से मिलने कतर पहुंच रहे हैं, लेकिन इस पर न कोई देशभक्ति का सवाल उठ रहा है, न कोई विरोध हो रहा है।

आलिया भट्ट को नेपो किड कहे जाने पर करण जौहर का ट्रोलर्स को जवाब-आप इस ग्रह पर सबसे मूर्ख व्यक्ति..

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने फिल्ममेक करण जौहर ने अपने करियर में कई स्टार किड्स को लॉन्च किया है। इस लिस्ट में एक्ट्रेस आलिया भट्ट का नाम भी शामिल है। ऐसे में अब हाल ही में करण ने नेपो किड को लेकर ट्रोलर्स को जवाब दिया है और इस पर अपनी नाराजगी भी जाहिर की है। हाल ही में करण जौहर से गैलाटा प्लस के इंटरव्यू में पूछा गया कि धर्मा प्रोडक्शन की टैलेंट एजेंसी केवल स्टार किड्स से क्यों भरी हुई है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए करण ने कहा, यह सच नहीं है। कृपया आएं और हमारी लिस्ट देखें। क्या आपने हाईवे, उड़ता पंजाब, राजी, गंगूबाई देखी है? बस उनकी फिल्मोग्राफी देखें। अगर आप अभी भी उन्हें नेपो किड कह रहे हैं, तो आप इस ग्रह पर सबसे मूर्ख व्यक्ति हैं और कोई भी आपकी मदद नहीं कर सकता। हालांकि, करण ने बिना नाम लिए आलिया भट्ट को नेपो किड कहने पर नाराजगी व्यक्त की। आगे करण जौहर ने कहा कि अगर स्टार किड को मौका देने पर उन्हें ट्रोल किया जाता है तो धन्यवाद। उन्होंने कहा कि क्या वह बॉलीवुड का नफरती चेहरा है? अगर हां, तो धन्यवाद, लेकिन वह यह डिजर्व नहीं करते। वहीं, करण जौहर के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में उनके प्रोडक्शन में ही बनी अक्षय कुमार की केसरी 2 रिलीज हुई है। अब जल्द ही वह नागजिला का प्रोडक्शन करते दिखाई देंगे, जिसमें एक्टर कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं।

कन्नड़ विवाद में सोनू निगम को कोर्ट से बड़ी राहत

कन्नड़ विवाद को लेकर मुसीबत में फंसे सिंगर सोनू निगम को गुरुवार को कर्नाटक हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली। निगम की याचिका पर न्यायालय ने उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई न किए जाने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति शिवशंकर अमरन्नावर की अध्यक्षता वाली पीठ ने सोनू निगम की याचिका पर सुनवाई की। हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न करने का आदेश देते हुए सिंगर को जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया। सोनू निगम के वकील ने तर्क दिया कि उनका कभी भी कन्नड़ समुदाय का अपमान करने का इरादा नहीं था और उन्होंने पहले ही सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है। सरकारी वकील ने कहा कि उनकी टिप्पणी लाइव प्रसारण का हिस्सा थी और इसे मीडिया में व्यापक कवरेज मिला कारण कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने जांच में उनकी अनुपस्थिति के कारण उन्हें कानूनी सुरक्षा देने का विरोध किया। सोनू निगम ने मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए 13 मई को कर्नाटक हाई कोर्ट में याचिका दी थी। दरअसल, 25 अप्रैल को एक कार्यक्रम के दौरान निगम की टिप्पणियों पर विवाद के बाद कर्नाटक पुलिस ने 3 मई को एफआईआर दर्ज की थी।भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।एफआईआर कर्नाटक रक्षण वैदिके की बेंगलुरु सिटी जिला इकाई के अध्यक्ष धर्मराज ए. ने दर्ज करवाई। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के वीरगोनगर में सोनू निगम का एक शो आयोजित किया गया था, जिसमें परफॉर्मेंस के दौरान एक युवक ने उनसे कन्नड़ में गाने की मांग की, जिसके बाद बहस शुरू हो गई थी। सिंगर ने कहा था- यकन्नड़, कन्नड़, कन्नड़. इसलिए, पहलगाम में हमला हुआ। वहां पर जान ले रहे थे, तब भाषा नहीं पूछी गई थी।श उनकी इस टिप्पणी को लेकर जमकर हो-हल्ला मचा और जबरदस्त विरोध देखने को मिला।

रिश्तों से बंधी गौरी से मेरा खास जुड़ाव: स्वाति शाह

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के मौके पर गुरुवार को अभिनेत्री स्वाति शाह ने बताया कि रिश्तों से बंधी गौरी शो से उन्हें खास लगाव है और इसकी टीम परिवार की तरह है। रिश्तों से बंधी गौरी में अभिनेत्री जगदंबा देवी के किरदार में हैं। उन्होंने बताया कि उनके लिए परिवार का क्या मतलब है। उन्होंने सेट पर भी अपना एक घर बनाया है, जिसमें उनका परिवार रहता है। अपने परिवार के महत्व के बारे में स्वाति ने बताया, परिवार मेरी सबसे बड़ी ताकत है। वे हर परिस्थिति में मेरे साथ खड़े रहते हैं। प्यार और समर्थन के साथ वे हमेशा मुझे गाइड करते हैं। मेरा मानना है कि परिवार का मतलब सिर्फ एक छत के नीचे रहना नहीं है, बल्कि हर पल एक-दूसरे के लिए मौजूद रहना है। उनकी प्रार्थनाएं, प्रोत्साहन और बिना शर्त प्यार मुझे हर दिन आगे बढ़ने में मदद करता है। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मेरे पास इतना खूबसूरत, प्यार करने वाला परिवार है जो मेरी जिंदगी, मेरी धड़कन है। स्वाति का रिश्तों से बंधी गौरी शो के सदस्यों से भी परिवार जैसा लगाव है। सेट पर अपने परिवार के साथ खूबसूरत बंधन के बारे में उन्होंने कहा, सन नियो के श्रिश्तों से बंधी गौरी के सेट पर मैं रोजाना लगभग 12 घंटे का समय बिताती हूं। मेरे सह-कलाकार परिवार की तरह बन गए हैं। हम साथ में हंसते, खाना शेयर करते, मुश्किल सीन में एक-दूसरे की मदद करते और छोटी-छोटी खुशियों को एक साथ मनाते हैं। यह काम से भी एक खास बॉन्ड को दिखाता है। उन्होंने आगे बताया कि यह रिश्ता या बंधन उन्हें खास एहसास देता है। स्वाति बोलीं, यह बंधन हमें खुश, प्रेरित और पॉजिटिव एनर्जी से भरपूर रखता है। मैं अपने जीवन में एक नहीं बल्कि दो खूबसूरत परिवार पाकर बहुत आभारी महसूस करती हूं! रिश्तों से बंधी गौरी एक साहसी और विनम्र लड़की गौरी पर आधारित है, जिसका आत्मविश्वास उसे जीवन की सबसे कठिन चुनौतियों से पार पाने की ताकत देता है। उसे परिस्थितिवश एक अनचाहे विवाह के बंधन में बंधना पड़ता है। इस शो में स्वाति के साथ ईशा पाठक, सावी ठाकुर और स्वाति शाह अहम भूमिकाओं में हैं। रिश्तों से बंधी गौरी हर दिन रात 8 बजकर 30 मिनट पर सन नियो पर प्रसारित होता है।

प्राइम वीडियो ने द ट्रेटर्स के लिए दिया बड़ा हिंट, रियलिटी शो के लिए सेट किया स्टेज

शहर की सड़कों पर इन दिनों कुछ ऐसा है, जिसे नजरअंदाज करना नामुमकिन है।

प्राइम वीडियो के सबसे पॉपुलर ओरिजिनल शोज जैसे मिजार्पुर, फर्जी, पाताल लोक, पंचायत, कॉल मी बे, बंदिश बैंडिट्स और द बॉयज के आइकॉनिक डायलॉग्स वाले होर्डिंग्स हर तरफ छाए हुए हैं। लेकिन जरा करीब से देखेंगे, तो समझ आएगा कि ये डायलॉग्स कुछ बदले-बदले से हैं। पहले जो लाइनें फैंस की फेवरेट थीं, वो अब एक अलग ट्विस्ट के साथ नजर आ रही हैंकृजिनसे रहस्य और सस्पेंस का माहौल बनने लगा है। ये होर्डिंग्स सिर्फ बीते पलों की याद दिलाने के लिए नहीं हैं, ये तो एक इशारा हैं। एक सुराग, एक टीज द इस बात का कि कुछ बड़ा और रोमांचक आने वाला है। ये फेवरेट शोज सिर्फ यादें ताजा करने का काम नहीं कर रहे, बल्कि कुछ बड़ा, कुछ बिल्कुल अनोखा आने की तैयारी कर रहे हैं। द ट्रेटर्स आ रहा है, और यहां कुछ भी वैसा नहीं है जैसा दिखता है। जल्द आ रहा है प्राइम वीडियो पर द ट्रेटर्स द इंटरनेशनल हिट रियलिटी शो का इंडियन वर्जन, जहां चालबाजत, धोखा और साजिश के बीच खिलाड़ियों की समझदारी, चालाकी और प्लानिंग की होगी असली परीक्षा। ये रहस्यमयी होर्डिंग्स भी इसी खेल का पहला इशारा हैं। ये होर्डिंग्स एक ऐसे सफर की शुरूआत हैं, जो रियलिटी शोज के खेल को नए सिरे से परिभाषित करने वाला है। खेल शुरू हो चुका है। सुराग सामने हैं। जुड़े रहिए, क्योंकि कहानी यहीं से बदलने वाली है...

क्या स्ट्रेस और एंग्जाइटी एक ही हैं, कैसे जानें आपको कौन सी दिक्कत है? इन लक्षणों से करें पहचान

जब बात मेंटल हेल्थ की दिक्कतों की होती है तो स्ट्रेस-एंग्जाइटी, ये दो शब्द काफी चर्चा में रहते हैं। क्या ये एक ही समस्या हैं या फिर इन दोनों में कोई अंतर है? आइए इस समस्या को समझते हैं।मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं सभी उम्र के लोगों में बढ़ती हुई देखी जा रही हैं, अब बच्चों में भी इसका खतरा बढ़ गया है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि विशेषतौर पर कोरोना महामारी के बाद से मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम अधिक देखा जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक हैं। इनमें से किसी एक में भी होने वाली दिक्कत का असर दूसरी सेहत को सीधे तौर पर प्रभावित करने वाला हो सकता है। यही कारण है कि शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ सभी लोगों को अपने मेंटल हेल्थ को लेकर भी विशेष सावधानी बरतते रहना चाहिए। जब बात मेंटल हेल्थ की दिक्कतों की होती है तो स्ट्रेस-एंग्जाइटी, ये दो शब्द काफी चर्चा में रहते हैं। क्या ये एक ही समस्या हैं या फिर इन दोनों में कोई अंतर है? आइए इस समस्या को समझते हैं।

स्ट्रेस और एंग्जाइटी की समस्या

स्ट्रेस और एंग्जाइटी मानसिक स्वास्थ्य की सबसे आम और प्रारंभिक स्तर की समस्याएं हैं। आप भी जीवन में कभी न कभी इससे परेशान रहे होंगे। ये परिस्थितिजन्य हो सकती हैं और ज्यादातर मामलों में खुद से ठीक भी हो जाती है इसलिए अक्सर लोगों का इस तरफ ध्यान नहीं जाता है।हालांकि अगर आपको अक्सर या लंबे समय से स्ट्रेस या एंग्जाइटी की दिक्कत बनी रहती है तो इसपर गंभीरता से ध्यान देना जरूरी हो जाता है, क्योंकि अगर समय रहते इसका निदान और उपचार न हो पाए तो भविष्य में डिप्रेशन जैसी गंभीर स्थितियों का खतरा बढ़ सकता है।

एक ही नहीं हैं ये समस्याएं

स्ट्रेस और एंग्जाइटी अक्सर एक ही समझे जाते हैं, लेकिन ये दोनों मानसिक स्वास्थ्य की अलग-अलग स्थितियां हैं। दोनों के बीच कई अंतर हैं, जो उनके कारणों, लक्षणों, अवधि और प्रभावों में देखने को मिलती हैं।

स्ट्रेस एक मानसिक और शारीरिक प्रतिक्रिया है, जो किसी बाहरी दबाव या चुनौती के कारण उत्पन्न होती है। यह परिस्थितिजन्य जैसे परीक्षा, नौकरी का दबाव, आर्थिक तंगी के कारण हो सकती हैं।

वहीं एंग्जाइटी एक प्रकार की भीतरी चिंता या भय है, जो अक्सर बिना किसी स्पष्ट कारण के भी हो सकती है। यह आमतौर पर किसी भविष्य की आशंका से जुड़ी होती है।

क्या होते हैं इनके लक्षण?

स्ट्रेस और एंग्जाइटी के लक्षणों में कई समानताएं हैं। जब कोई व्यक्ति तनावग्रस्त होता है, तो उसकी धड़कन और सांस तेज हो जाती है, मूड से संबंधित समस्याएं जैसे चिड़चिड़ापन या गुस्सा हो सकता है, अकेलापन महसूस होने लगता है, मतली-चक्कर की दिक्कत होने लगती है। कई बार इसके कारण आपको पाचन की समस्या जैसे दस्त या कब्ज भी हो सकती है।

वहीं एंग्जाइटी में भी आपको इसी से मिलती-जुलती दिक्कतें होती हैं। इसमें भी दिल की धड़कन और सांस की गति बढ़ जाती है, बेचैनी या भय बना रहता है, पसीना आ सकता है।

मसलन दोनों समस्याओं में आमतौर पर एक जैसी दिक्कतें होती हैं इसलिए इनमें आसानी से अंतर कर पाना कठिन हो सकता है।

पहले से ही शुरू कर दीजिए उपाय

तनाव और चिंता शारीरिक प्रतिक्रिया का हिस्सा हैं और इनके लक्षण भी एक जैसे होते हैं। इसका मतलब है कि उन्हें अलग-अलग पहचानना मुश्किल हो सकता है। तनाव आमतौर पर अल्पकालिक होता है और किसी ज्ञात खतरे की प्रतिक्रिया में होता है। जबकि चिंता या एंग्जाइटी लंबे समय तक बनी रह सकती है।

चूंकि ये समस्याएं किसी को भी हो सकती हैं, इसलिए पहले से ही इससे बचाव के लिए सावधानी बरतते रहना जरूरी है।

स्ट्रेस और एंग्जाइटी से बचे रहने या फिर इसके लक्षणों को कम करने के लिए कुछ उपाय प्रभावी माने जाते हैं।

समय का प्रबंधन करें। व्यायाम और मेडिटेशन की नियमित आदत बनाएं।

पर्याप्त नींद लेना आपके मेंटल हेल्थ को ठीक रखने में मददगार है।

लाइफस्टाइल और खान-पान को ठीक रखकर आप मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से बचाव कर सकते हैं।

अगर आपको अक्सर या लंबे समय तक स्ट्रेस-एंग्जाइटी की दिक्कत बनी रहती है तो इसे अनदेखा न करें और समय रहते डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

बालों में आ रही है पसीने की बदबू तो शर्मिंदा न हों, ये उपाय अपनाकर पाएं परेशानी से राहत

यदि पसीने की वजह से आपके बालों में से भी बदबू आने लगती है, तो कुछ घरेलू नुस्खे आजमाकर इस परेशानी से आप राहत पा सकते हैं। गर्मी से मौसम में आने वाले पसीने से हर कोई परेशान रहता है। शरीर के पसीने को सुखाने के लिए तो हम तौलिए और रूमाल का इस्तेमाल कर लेते हैं, पर ज्यादातर लोग बालों में आने वाले पसीने से भी परेशान रहते हैं।दिक्कत वाली बात तो ये है कि बालों में आने वाला पसीना न सिर्फ बालों को चिपचिपा कर देता है, बल्कि इसकी वजह से बालों में बदबू भी आने लगती है। जो शर्मिंदगी की वजह बन जाती है। इसी के चलते आज हम आपको यहां बालों में से आने वाली पसीने की बदबू को दूर करने का तरीका बताएंगे। कुछ टिप्स को फॉलो करके आप इस परेशानी से राहत पा सकते हैं। यदि आप बालों से बदबू भगाना चाहते हैं तो हर्बल हेयर वॉश ट्राई करके देखिए। इसके लिए आपको नीम और तुलसी के पत्तों की जरूरत पड़ेगी। इसे ट्राई करने के लिए सबसे पहले तो नीम और तुलसी की पत्तियों को उबालें। जब ये सही से उबल जाए तो गैस बंद करके ठंडा करें और बाल धोने से पहले स्कैल्प पर लगाएं।आधे घंटे इसे ऐसे ही लगा रहने दें और फिर बालों को सादे पानी से धो लें। ये दोनों चीजें न सिर्फ बालों की बदबू को दूर करती हैं, बल्कि साथ ही में इससे स्कैल्प का इंफेक्शन दूर होता है। नींबू का रस बालों की कई परेशानियां को दूर करने के साथ-साथ पसीने की बदबू का भी खात्मा करता है। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे नींबू के रस को निचोड़ कर एक कटोरी में निकाल लें। इसके बाद रुई की मदद से इसे स्कैल्प पर अच्छी तरह से लगाएं। अब दस मिनट के बाद आप अपने बालों को धो सकते हैं।ये नींबू का रस स्कैल्प को डिटॉक्स करता है, जिससे बदबू का खात्मा होता है। इसके इस्तेमाल से पहले एक बार पैच टेस्ट अवश्य करें, क्योंकि नींबू के रस में पाए जाने वाले तत्व कई बार परेशानी पैदा कर देते हैं।

लंच के बाद आने लगती है झपकी और आलस? कहीं ये कोई बीमारी तो नहीं, जानिए

दोपहर के भोजन के बाद नींद आना एक आम अनुभव है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में पोस्ट प्रूडेंशियल सोलेमन कहा जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यह कोई बीमारी नहीं है, बल्कि शरीर की जैविक प्रक्रिया का हिस्सा है। कई स्थितियां इसको बढ़ाने वाली हो सकती हैं।दोपहर के समय, विशेषतौर पर खाने के बाद नींद आना काफी सामान्य है। अक्सर लोग इससे परेशान देखे जाते हैं। ऑफिस में नींद आने की समस्या कई बार असहज करने वाली हो सकती है। खाने के बाद ये दिक्कत क्यों होती है? आइए इस बारे में जानते हैं।दोपहर के भोजन के बाद नींद आना एक आम अनुभव है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में पोस्ट प्रूडेंशियल सोलेमन कहा जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यह कोई बीमारी नहीं है, बल्कि शरीर की जैविक प्रक्रिया का हिस्सा है। कई स्थितियां इसको बढ़ाने वाली हो सकती हैं।

भोजन के बाद नींद और आलस आना

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ज्यादातर लोगों को भोजन के बाद नींद और आलस अधिक आता है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं।आमतौर पर खाना खाने के बाद नींद आने की समस्या उनमें अधिक होती है, जिनका पाचन और नींद का पैटर्न सही नहीं होता है। इस पर हुए तमाम शोध और अध्ययन बताते हैं कि इसके पीछे एक प्राकृतिक प्रतिक्रिया है, लेकिन इसमें खानपान और जीवनशैली की भी बड़ी भूमिका हो सकती है।खाने के बाद नींद और थकान आने की एक बड़ी वजह नींद का पूरा न होना या नींद से जुड़े विकार भी हो सकते हैं। इसके अलावा जब आप खाना खाते हैं तो पाचन अंगों में रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है और मस्तिष्क में कम हो जाता है, जिससे सुस्ती या नींद आ सकती है।

इसके पीछे का साइंस समझिए

भोजन के पाचन तंत्र में पहुंचते ही भोजन एनर्जी यानी ग्लूकोज में बदल जाता है। इस प्रक्रिया में कई हार्मोन रिलीज होते हैं, जो मस्तिष्क को झपकी लेने या नींद का संकेत देने का काम करते हैं। हाई प्रोटीन और कार्ब्स से भरपूर खाना खाने से शरीर में नींद को रेग्युलेट करने वाला सेरोटोनिन हार्मोन बढ़ जाता है, जिससे नींद या आलस महसूस होता है।अगर आप शारीरिक गतिविधि पर कम ध्यान देते हैं तो इसकी वजह से भी नींद भी प्रभावित हो सकती है।

दोहा डायमंड लीग में नीरज दिखाएंगे पराक्रम

एजेंसी

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा आज अपने डायमंड लीग अभियान की शुरूआत करेंगे। इस टूनार्मेंट में अच्छा प्रदर्शन उनकी नजरें इस साल के आखिर में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में खिताब बरकरार रखने पर लगी होंगी। भारतीयों के बड़ी तादाद में होने से नीरज को दोहा में काफी समर्थन मिलने के आसार हैं।नीरज का सामना दो बार के विश्व चैंपियन और 2024 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स, चेक गणराज्य के याकूब वादलेच, जर्मनी के जूलियन वेबर और मैक्स डेहनिंग, कीनिया के जूलियस येगो और जापान के रॉडरिक जेंकी डीन से होगा। ये सभी बड़ी स्पधाओं में नीरज के प्रतिद्वंद्वी रह चुके हैं। नीरज के अलावा डायमंड लीग में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर सिंह और पारुल चौधरी क्रमशः पुरूष और महिलाओं की 5000 और 3000 मीटर स्टीपलचेस में उतरेंगे।पेरिस ओलंपिक 2024 के स्वर्ण पदक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम इसमें भाग नहीं ले रहे हैं। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भारत के ही किशोर जेना भी 11 प्रतियोगियों में से हैं। जेना का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 87.54 मीटर है जो पिछली बार यहां 76.31 मीटर का थ्रो लगाकर नौवें स्थान पर रहे थे। वादलेच ने पिछले साल 88.38 मीटर के थ्रो के साथ खिताब जीता था, जबकि नीरज दो सेंटीमीटर पीछे रहे थे। पीटर्स 86.62 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर थे।टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत पदक जीतने वाले नीरज ने सबसे पहले 2018 में यहां डायमंड लीग में भाग लिया था और चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 2023 में यहां खिताब जीता और 2024 में दूसरे स्थान पर रहे। विश्व रिकॉर्डधारी कई बार के ओलंपिक चैंपियन चेक गणराज्य के यान जेलेज्नी से कोचिंग ले रहे नीरज ने कहा, 'कतर में भारतीयों से मिलने वाले समर्थन से मैं हमेशा अभिभूत रहता हूं । मेरे पास उनका धन्यवाद करने के लिये शब्द नहीं हैं।'नीरज का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 89.94 मीटर है और वह इस बार 90 मीटर की बाधा पार करना चाहेंगे।

स्टार्क के नहीं खेलने से दिल्ली की प्लेऑफ की उम्मीदों को लगेगा झटका?

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के दूसरे चरण की शुरूआत शनिवार से होने जा रही है। इस बार कई विदेशी खिलाड़ियों

के भारत नहीं लौटने की संभावना है। इससे कई टीमों के प्लेऑफ में पहुंचने के समीकरण को ठेस पहुंचेगी। दिल्ली कैपिटल्स भी उन्हीं टीमों में शामिल है। टीम को हाल फिलहाल में हार का सामना करना पड़ा है और अब उनके लिए बचे हुए मैचों को हर हाल में जीतना जरूरी है। हालांकि, अब दूसरे चरण में मिचेल स्टार्क खेलते नहीं दिखेंगे। स्टार्क ने अब तक घातक गेंदबाजी की थी। इसके अलावा फाफ डुप्लेसिस की वापसी भी अभी तय नहीं है। वहीं, जेक फ्रेजर मैकगर्क पहले ही टूनार्मेंट से हट चुके हैं। नीलामी में 11.75 करोड़ में बिकने वाले स्टार्क ने आईपीएल के शेष मैचों के लिए कथित तौर पर भारत लौटने का फैसला नहीं किया है। 'ऑस्ट्रेलियाई एसोसिएटेड प्रेस' के मुताबिक, स्टार्क ने फ्रेंचाइजी को बताया है कि वह धर्मशाला वाले मैच के एक सप्ताह बाद टीम में शामिल नहीं हो सकेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने इस बारे में दिल्ली को ईमेल भी कर दिया है। इस मैच को आस-पास के इलाकों में हवाई हमले की चेतावनी के बाद सुरक्षा कारणों से बीच में ही रद्द कर दिया गया था। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण अगले दिन लीग को निलंबित कर दिया गया था। बीसीसीआई ने संघर्ष विराम के बाद सरकार से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद 17 मई से इसे फिर से शुरू करने की घोषणा की। इसका फाइनल पहले से तय 25 मई की जगह तीन जून को खेला जाएगा।दिल्ली कैपिटल्स के अहम खिलाड़ी स्टार्क इस सत्र में टीम के लिए अब तक टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 11 मैचों में 26.14 की औसत से 14 विकेट लिए हैं। प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए संघर्ष कर रही दिल्ली की टीम को आगामी मैचों में निश्चित तौर पर उनकी कमी महसूस होगी।

यूपी की जीत में हीरो बने राष्ट्रीय खिलाड़ी

राज, सुमित ने 11 बास्केट किए

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में हुई खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के फाइनल में उत्तर प्रदेश की पुरुष टीम ने राजस्थान को 67-58 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। टीम में राष्ट्रीय खिलाड़ियों यूपी कॉलेज साई सेंटर के राज

सिंह, प्रणव सिंह और सुमित कुमार सिंह ने वाराणसी का प्रतिनिधित्व किया। टीम ने प्रतियोगिता में सभी टीमों को एकतरफा और बड़े अंतर से हराया। तीनों खिलाड़ी उदय प्रताप कॉलेज के भारतीय खेल प्राधिकरण के खेल छात्रावास में रहकर बास्केटबॉल कोर्ट पर अभ्यास करते हैं। सुमित कुमार सिंह, प्रणव सिंह संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोईराजपुर में पढ़ते हैं।जिला बास्केटबॉल संघ के संयुक्त सचिव विभोर भृगुवंशी ने बताया कि राज मूलरूप से चंदौली के निवासी हैं जबकि सुमित बलिया और प्रणव सिंह वाराणसी के निवासी हैं। चेतनारायण सिंह, डॉ. अशोक कुमार सिंह, शुभांशु द्विवेदी, कार्तिक ने बधाई दी है।तमिलनाडु के अरंथंगी में अखिल भारतीय प्रतियोगिता में पूर्वोत्तर रेलवे महिला बास्केटबॉल टीम को फाइनल में हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। कोच एके सिंह ने बताया कि लीग मैचों में पूर्वोत्तर रेलवे ने केरल पुलिस और एसआरएम विश्वविद्यालय को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने चेन्नई की टीम को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में पूर्वोत्तर रेलवे की टीम को केरला स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड से हार मिली।खेल विभाग और तैराकी संघ की ओर से प्रादेशिक तैराकी 23 से 25 मई तक बरेली स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगी। वाराणसी की तैराकी टीम का चयन ट्रायल बृहस्पतिवार को सिगरा के डॉ. संपूणानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुआ।

125 में 17 खिलाड़ियों ने दूसरे चक्र यानी मंडल के लिए क्वालिफाई किया।

कप्तान रजत पाटीदार ने अपनी ही टीम पर फोड़ा 'बम'

'मुझे भरोसा देकर नीलामी में नहीं खरीदा...'

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम की अगुआई

कर रहे रजत पाटीदार 2022 सत्र को लेकर काफी निराश थे जब आश्वासन के बावजूद फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों की नीलामी में उन्हें नजरअंदाज कर दिया था। टीम में चोटिल खिलाड़ी के विकल्प के तौर पर शामिल हुए पाटीदार ने कहा कि वह तब दुखी और गुस्से में थे। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद ही एक पॉडकास्ट में किया है।पाटीदार ने यह भी स्वीकार किया कि आईपीएल 2025 से पहले विराट कोहली द्वारा कप्तानी सौंपे जाने के कारण वह दबाव महसूस कर रहे थे, लेकिन इस दिग्गज खिलाड़ी के समर्थन भरे शब्दों ने उन्हें सहज कर दिया। पाटीदार इस सत्र में आरसीबी के मध्यक्रम के मुख्य खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने 11 मैचों में 239 रन बनाए हैं। उनका लक्ष्य टीम को आईपीएल का पहला खिताब दिलाना है।पाटीदार ने 'आरसीबी पॉडकास्ट' पर कहा, 'मुझे आईपीएल 2022 के लिए मेगा नीलामी से पहले एक संदेश मिला था कि आप तैयार रहें, हम आपको चुनेंगे। मुझे थोड़ी उम्मीद थी कि मुझे एक और मौका मिलेगा, लेकिन मुझे मेगा नीलामी में नजर अंदाज किया गया। मैं इससे थोड़ा दुखी था।' मध्यप्रदेश के इस 31 साल के बल्लेबाज को हालांकि अपने राज्य के ही एक खिलाड़ी के चोटिल होने के बाद आरसीबी में वापसी करने का मौका मिल गया।पाटीदार हालांकि बेंगलुरु वापस आने के लिए उत्सुक नहीं थे, क्योंकि उन्हें पता था कि बड़े खिलाड़ियों से भरी टीम में खेलने का मौका शायद ही मिले। उन्होंने कहा, 'मैंने नीलामी में नहीं चुने जाने के बाद इंदौर में अपने स्थानीय मैचों में खेलना शुरू कर दिया था। मुझे फिर फोन आया कि हम आपको लवनीथ सिसोदिया की जगह चुन रहे हैं।' सिसोदिया चोटिल होने के कारण उस सत्र में टीम से बाहर हो गए थे।पाटीदार ने कहा, 'मैं सच कहूं तो किसी खिलाड़ी के विकल्प के रूप में नहीं आना चाहता था क्योंकि मुझे लग रहा था कि मुझे वहां खेलने का मौका नहीं मिलेगा। मुझे हमेशा लगता है कि मैं वहां(डगआउट में) नहीं बैठना चाहता।' कप्तान के तौर पर मध्यप्रदेश को 2024-25 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचने में अहम भूमिका निभाने वाले पाटीदार ने कहा, 'मैं थोड़े समय के लिए नाराज था लेकिन फिर सामान्य हो गया था।'पाटीदार ने कहा कि कोहली जैसे महान खिलाड़ी से कप्तान की जिम्मेदारी मिलने के बाद वह दबाव महसूस कर रहे थे, लेकिन इस स्टार बल्लेबाज की हौसला बढ़ाने वाले शब्दों ने उन्हें आत्मविश्वास से भर दिया। उन्होंने कहा, 'मेरे मन में कई सवाल थे, जैसे की टीम में कई बड़े खिलाड़ी है। कोहली का रूतबा बहुत बड़ा है, मैं उन्हें कुछ करने के लिए कैसे कह सकता हूं? मुझे हालांकि इस मामले में उनका पूरा समर्थन मिला था।'

उन्होंने कहा कि आरसीबी की कमान मिलना उनके लिए सबसे यादगार दिनों में से एक है और जब कोहली ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी तो वह काफी भावुक हो गए थे। रजत ने कहा, 'मैंने कोहली को लंबे समय तक टेलीविजन पर खेलते हुए देखा है। फिर आईपीएल और भारतीय टीम में उनके साथ खेलने का मौका मिला और उनसे कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने पर मैं थोड़ा चिंतित और भावुक हो गया था।

दुनिया में अनिश्चितता के बीच सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय जोखिमपूर्ण स्थिति में है। अमेरिका की तरफ से शुल्क बढ़ाए जाने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा है। इससे उत्पादन लागत बढ़ी है और निवेश में

अनिश्चितता आई है। वहीं संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस अनिश्चितता के बीच भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। जनवरी 2025 में यह अनुमान 6.6% था। हालांकि, इस गिरावट के बावजूद भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना गया है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट '2025 के मध्य तक विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं' में दी गई है, जिसे 16 मई को जारी किया गया।रिपोर्ट के अनुसार, भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को मुख्य रूप से मजबूत घरेलू खपत और सरकारी निवेश का समर्थन मिला है। इसके अलावा, सेवा क्षेत्र का निर्यात भी आर्थिक विकास को मजबूती देता रहा है। इस रिपोर्ट में कहा गया, 'भारत की आर्थिक वृद्धि को निजी उपभोग, सार्वजनिक निवेश और मजबूत सेवा निर्यात का समर्थन प्राप्त है।'संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय जोखिमपूर्ण स्थिति में है। अमेरिका की तरफ से शुल्क बढ़ाए जाने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा है। इससे उत्पादन लागत बढ़ी है और निवेश में अनिश्चितता आई है। भारत के माल निर्यात पर भी इसका असर हो सकता है, हालांकि दवा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और तांबा जैसे सेक्टर इस प्रभाव से फिलहाल बचे हुए हैं।रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में महंगाई 2024 में 4.9% रहने के बाद 2025 में घटकर 4.3% हो सकती है, जो भारतीय रिजर्व बैंक के लक्षित दायरे में है। इसके साथ ही, रोजगार के स्तर में कोई बड़ी गिरावट नहीं देखी गई है, लेकिन महिला श्रम भागीदारी में असमानता बनी हुई है, जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

नौकरी मांगने आए अभ्यर्थियों को हिरासत में लिया

लखनऊ (संवाददाता)। यूपीएसएसएससी टेक्निकल भर्ती प्रक्रिया 9 साल में भी पूरी नहीं हो पाई है। इसके विरोध में अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को पिकप भवन पर प्रदर्शन किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अधिकारियों से तुरंत प्रक्रिया को पूरा कर नियुक्ति देने की मांग की। मौके पर अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई। इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने हिरासत में लेकर उन्हें ईको गार्डन भेज दिया। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती लटकाई गई। जब नौकरी मांगने लखनऊ आए तो हिरासत में ले लिया गया। रायबरेली से आए दिव्यांग विशाल शर्मा ने कहा कि 2016 में फार्मासिस्ट पद के लिए आवेदन किया था। इसकी परीक्षा 2023 में हुई थी। 5 अप्रैल 2024 में आगे की प्रक्रिया शुरू हुई। आयोग ने कट ऑफ अभी तक क्लियर नहीं किया। अब एक साल हो चुका है, लेकिन अभी तक भर्ती पूरी नहीं हुई। आयोग से यही कहना चाहते हैं, हमारा परिणाम अब तुरंत घोषित करिए। हम लोग अब थक चुके हैं। फहीम रजा ने बताया कि दिल्ली से आए हैं। 2016 से अभी तक हम लोगों को कोई सफलता नहीं मिली है। अभ्यर्थी राम जी ने बताया कि उम्र 52 साल हो चुकी है।

ऐसा लग रहा है कि नियुक्ति से पहले ही रिटायरमेंट हो जाएंगे। आयोग से निवेदन है कि अब नियुक्ति हम लोगों की कर दी जानी चाहिए। इससे हम कुछ दिन नौकरी कर सकेंगे। 2016 में फॉर्म भरा था। 2023 में परीक्षा हुई, लेकिन अभी तक भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। नितेश उपाध्याय ने बताया कि 2016 में भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई। 23 मार्च 2023 को इसकी परीक्षा हुई। एक साल बाद इसका रिजल्ट आता है। टुकड़ों में परिणाम जारी किया गया, लेकिन हवलदार फार्मासिस्ट सहित कई पदों का रिजल्ट अभी तक जारी नहीं किया गया। 133 पदों का परिणाम आना अभी लंबित है। हम लोग आयोग के चक्कर लगा-लगाकर थक चुके हैं। पहले कहा गया कि दीपावली के पहले परिणाम आ जाएगा, लेकिन उसके बाद होली, रक्षाबंधन और अब ईद भी बीत गई है। कुलदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि लंबित भर्ती के लिए हम लोग लगातार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली है। सभी अभ्यर्थी डिप्रेशन में पहुंच चुके हैं। हमारी सरकार और अधिकारियों के कानों में जू रहने तो हम लोगों की मांगों की सुनवाई होगी। समस्या अब इतनी बढ़ गई है कि इसकी सूची भी नहीं बना सकते हैं। 9 साल के लंबे अंतराल के बाद विभाग की तरफ से भर्ती की परीक्षा कराई गई। उसके डेढ़ साल बाद रिजल्ट आता है। लेकिन अभी तक नियुक्ति नहीं दी गई है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने रामगोपाल पर कसा तंज

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर जातिवादी टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव पर कटाक्ष किया। शुक्रवार को हिंदी में ह्यएक्स पर एक पोस्ट में केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, दलितों पर लगातार अत्याचार करके प्रोफेसर बने रामगोपाल यादव इस उम्र में भी दलितों को नीची नजर से देखने से बाज नहीं आ रहे हैं। विंग कमांडर सिंह, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और कर्नल सोफिया कुरैशी के साथ ऑपरेशन सिंदूर पर प्रेस ब्रीफिंग में नियमित रूप से शामिल होती थीं। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी का जिक्र करते हुए यादव ने बृहस्पतिवार को मुरादाबाद में कहा था, इनके (भाजपा के) एक मंत्री ने कर्नल कुरैशी को अपशब्द कहे। उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ फिर से मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। लेकिन उन्हें नहीं पता कि व्योमिका सिंह कौन हैं और न ही उन्हें एयर मार्शल एके भारती के बारे में पता था, वरना ये लोग उन्हें भी अपशब्द कहते। यादव ने कहा, मैं आपको बता दूं कि व्योमिका सिंह हरियाणा की जाटव हैं और एयर मार्शल भारती पूर्णिया के यादव हैं। तो तीनों ही पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) से हैं। एक को इसलिए अपशब्द कहे गए क्योंकि वह मुस्लिम थीं। दूसरी को यह समझ कर छोड़ दिया कि वह राजपूत हैं और भारती के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। जब अखबार में खबर छपी तो वे सोचने पर मजबूर हो गए कि अब क्या करें।

बीकेटी में बेकाबू ट्रक ने 6 दुकानें तोड़ीं, पुलिस चौकी बची

लखनऊ (संवाददाता)। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। सीतापुर रोड पर रात करीब 3 बजे एक बेकाबू ट्रक सड़क किनारे बनीं दुकानों में को तोड़ता चला गया। हादसे में कस्बा पुलिस चैकी बाल-बाल बच गई। सीतापुर की तरफ जा रहा ट्रक (यूपी 34 टी 3571) बख्शी का तालाब रेलवे स्टेशन के सामने बेकाबू हो गया। ट्रक ने छह दुकानों को नुकसान पहुंचाया। इनमें संजय मौर्य की दोना-पत्तल की दुकान, प्रेम मौर्य का चाट कॉर्नर, राज करण की कोल्ड ड्रिंक्स और चाय की दुकान शामिल हैं। अनिल की फल की दुकान, सोनपाल की कपड़े की दुकान और मंगल मौर्य की दोना-पत्तल की दुकान भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। बेकरी और कोल्ड ड्रिंक्स की दुकान के मालिक राजकुमार को फ्रीजर समेत करीब 2 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। प्रमोद मौर्या की कोल्डड्रिंक्स और चाट की दुकान को लगभग 50 हजार रुपए का नुकसान पहुंचा है। रात का समय होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है। पूछताछ में सामने आया कि चालक को नींद आ जाने के कारण यह हादसा हुआ। व्यापारियों का कुल मिलाकर लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

स्वच्छता के नियमों का पालन कर डेंगू से बचा जा सकता है: सीएम योगी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डेंगू जैसी बीमारी को हराने के लिए सभी से स्वच्छ वातावरण और सतर्क जीवनशैली अपनाकर जागरूक समाज बनाने का संकल्प लेने का आग्रह किया। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर ह्यएक्स पर एक पोस्ट में आदित्यनाथ ने कहा कि डेंगू एक गंभीर बीमारी है लेकिन स्वच्छता के नियमों का पालन कर इससे बचा जा सकता है। डेंगू एक गंभीर बीमारी है किन्तु स्वच्छता के नियमों का पालन कर इससे बचा जा सकता है। आइए, इस राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि स्वच्छ परिवेश व सतर्क जीवनशैली अपनाकर एक जागरूक समाज का निर्माण करेंगे तथा डेंगू जैसी बीमारी को मात देंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, आइए, इस राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि स्वच्छ परिवेश व सतर्क जीवनशैली अपनाकर एक जागरूक समाज का निर्माण करेंगे तथा डेंगू जैसी बीमारी को मात देंगे। पूरे देश में मानसून पूर्व निवारक गतिविधियों की शुरूआत करने के लिए 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है।

दो दिवसीय यूपी कप ताइक्वान्डो प्रतियोगिता-2025 का जोरदार आगाज हुआ

लखनऊ (संवाददाता)। दो दिवसीय यूपी कप ताइक्वान्डो प्रतियोगिता 2025 बॉक्सिग हॉल, चैक स्टेडियम में शुरू हुई। ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2025 में सीनियर, जूनियर, पुमसे तथा फाइट की प्रतियोगिताएं हुई। प्रतियोगिता के समापन पर शनिवार को पुरस्कार वितरण किया जाएगा। ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 20 स्कूलों के लगभग 450 बालक बालिकएं भाग ले रहे हैं।

प्रतियोगिता के पहले दिन सीएमएस के बच्चों द्वारा अच्छा प्रदर्शन किया गया। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन मनोज कुमार शर्मा ब्लैक बेल्ट 4 डॉन,नेशनल रैफरी, कोच इण्टरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट सचिव ताइक्वान्डो ट्रेनिंग स्कूल एकेडमी द्वारा किया जा रहा है।

संक्षिप्त सामाचार

युवक ने चुराई बाइक, लोगों ने रंगे हाथ पकड़ा, परिवार वाले बोले, मानसिक रूप से बीमार

लखनऊ (संवाददाता)। सरोजनी नगर में शुक्रवार सुबह एक जिम के बाहर खड़ी बाइक का लॉक तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया गया। स्थानीय लोगों ने चोर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना सुबह 6 बजे की है। बदाली खेड़ा निवासी मनोज शुक्ला के बेटे सौरभ और कमल शुक्ला बाग नंबर-2, कानपुर रोड स्थित फिटनेस सेंटर में जिम करने आए थे। दोनों भाई जिम में थे, तभी बाहर खड़ी उनकी बाइक गायब हो गई। चोर बाइक को पैदल धक्का देते हुए एयरपोर्ट तिराहे तक ले गया। वहां लोगों से बाइक स्टार्ट करने के लिए चाबी मांग रहा था। संदिग्ध गतिविधि देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी। एयरपोर्ट पुलिस चैकी के सिपाही संदीप ने युवक को हिरासत में लेकर सरोजनी नगर थाने पहुंचाया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी कुशीनगर का रहने वाला है और मानसिक रूप से बीमार है। थाना प्रभारी राजदेव राम प्रजापति के अनुसार, युवक के परिवार वाले उसका इलाज करा रहे हैं। युवक तीन दिन पहले घर से लापता हो गया था। पुलिस ने परिवार वालों को इलाज के कागजातों के साथ थाने बुलाया है। दस्तावेजों की जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण पर्यटन में तेजी से उभर रहा यूपी

लखनउ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश ग्रामीण पर्यटन परियोजना ह्यएग्री रूरल एंड गंगे ग्राम रूरल टूरिज्म के अंतर्गत आज 18वें विश्व कृषि पर्यटन दिवस-2025 के अवसर पर राज्य के 18 जिलों वाराणसी, पीलीभीत, चित्रकूट, बाँदा, अयोध्या, लखनऊ, फतेहपुर, कानपुर नगर, कन्नौज, प्रतापगढ़, फरुर्खाबाद, इटावा, औरैया, मथुरा, प्रयागराज, बस्ती, संत कबीर नगर और सहारनपुर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से उभरता हुआ राज्य है। ग्रामीण पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। सरकार इन्हें धरातल पर उतार रही है।राज्य के 234 गांवों का चयन किया गया है, जिन्हे ग्रामीण पर्यटन गांव के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें कई पर्यटक गांव तैयार भी हो चुके हैं। यहां स्थानीय उत्पाद, व्यंजन, हस्तशिल्प आदि को प्रमोट किया जा रहा है। ग्रामीण पर्यटन से जुड़े लोगों की आय में भी वृद्धि हो रही है। विश्व कृषि पर्यटन दिवस-2025 पर आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के सहयोग से कुल 41 पर्यटन गांव के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रमों में गाँव के प्रतिनिधियों, विकास खंड, जिला स्तरीयअधिकारियों के साथ मंडलस्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। वाराणसी के माधोपुर कोट, कैथी, चंद्रावती और उमराहा-बनकट गांवों में पौधरोपण किया गया। पीलीभीत में भी वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ। चित्रकूट के बनाड़ी गांव में बुंदेली लोकगीत प्रतियोगिता तथा बाँदा के शिवपुर गौर गांव में नौकायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कई अन्य आयोजन किए गए। लखनऊ के बक्शी का तालाब स्थित पर्यटन ग्राम कठवारा के पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम में कठवारा के साथ ससपन और दशहरी गांव के 60 लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर चिकनकारी हस्तशिल्प तथा जरी-जरदोजी कढ़ाई उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। बस्ती, संत कबीर नगर और सहारनपुर में बिल्ड योर ओन स्केयरक्रो विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

ऊर्जा मंत्री के नेतृत्व में पडरौना में निकाली गई भारत शौर्य तिरंगा यात्रा

लखनऊ (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को सुबह 8 बजे कुशीनगर जिला के नगर पालिका परिषद पडरौना में गायत्री मंदिर से तिलक चैक तक भारत शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। उन्होंने कहा कि देश में आतंकवादियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अप्रतिम शौर्य, पराक्रम एवं वीरता को नमन करने के लिए तथा नागरिकों को देश की संप्रभुता, एकता,अखंडता व राष्ट्रप्रेम के प्रति जागरूक करने के लिए यह तिरंगा यात्रा निकाली गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीतिक सूझबूझ, भारतीय सेना के समन्वय एवं आतंकवादियों के खिलाफ वैश्विक संदेश देने के लिए चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर भारत की शौर्य गाथा का प्रतीक बन गया है। पहलगाम आतंकी हमले का आतंकियों को जवाब देने तथा दुश्मन देश पाकिस्तान को मुंहतोड़ सबक सिखाने के लिए भारतीय सेवा द्वारा ऑपरेशन सिंदूर में अप्रतिम शौर्य, वीरता व पराक्रम का प्रदर्शन किया गया। प्रधानमंत्री भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना चाहते है, जबकि पाकिस्तान कटोरा लेकर पूरी दुनिया में भीख मांग रहा है और भारत की सरहदों पर आतंकवादियों को भेजकर हमारे नागरिकों पर जुल्म करता है, नृशंस हत्याएं करवाता है, आतंकवाद फैलाता है। पाकिस्तान को पाकिस्तान न कह कर पापीस्तान कहना चाहिए। श्री शर्मा ने नगर पालिका परिषद पडरौना में बनाई गई निशुल्क लाइब्रेरी का निरीक्षण करते हुए कहा कि हमारा नेतृत्व देश के नागरिकों, युवाओं एवं बच्चों के सपनों को साकार कर रहा है। यहां बच्चों के भविष्य को संवारा जा रहा है।तिरंगा यात्रा में हजारों की संख्या में शामिल पडरौना, कुशीनगर एवं पूर्वांचल के नागरिकों, युवाओं व मातृशक्ति को उन्होंने धन्यवाद दिया और अभिवादन किया। तिरंगा यात्रा में पडरौना विधायक प्रदीप जायसवाल, पडरौना नगर पालिका अध्यक्ष विनय जयसवाल, दुर्गेश राय जिला अध्यक्ष, पार्टी के कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि शामिल रहे।

नगर विकास मंत्री ने किया 223 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

लखनऊ (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कुशीनगर में प्रवास के दौरान शुक्रवार को नगर पालिका परिषद कुशीनगर में नगर विकास विभाग द्वारा संचालित 54 करोड रुपए से अधिक लागत के 223 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। कुशीनगर जिले के कसया स्थित निराश्रित गो आश्रय स्थल का निरीक्षण भी किया। कुशीनगर पालिका परिषद के 7.88 करोड़ रुपए लागत के 35 कार्यों का लोकार्पण और 21.46 करोड़ रुपए लागत के 86 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। नगर पालिका परिषद हाटा के 1.88 करोड रुपए लागत के 04 कार्यों का लोकार्पण तथा 1.60 करोड रुपए लागत के 04 कार्य का शिलान्यास किया।

गोरखपुर सांसद रवि किशन को संसद रत्न पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जाएगा

गोरखपुर। भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन को संसद रत्न पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार उन्हें

संसद में उनकी निरंतर उपस्थिति, प्रभावी बहसों और जनता से जुड़े मुद्दों को पुरजोर ढंग से उठाने के लिए प्रदान किया जा रहा है। यह पुरस्कार आगामी जुलाई 2025 के अंतिम सप्ताह में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले संसद रत्न पुरस्कार समारोह के 15वें संस्करण में प्रदान किया जाएगा। संसद रत्न पुरस्कारों की स्थापना 2010 में प्राइम पॉइंट फाउंडेशन और ई-मैगजीन ह्यप्रीसेंसह्न द्वारा भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के सुझाव पर की गई थी। यह पुरस्कार भारतीय संसदीय प्रणाली में कार्यकुशल, जवाबदेह और सक्रिय जनप्रतिनिधियों की पहचान करता है। नामांकन पूरी तरह से आधिकारिक प्रदर्शन डेटा के आधार पर किया जाता है, जो लोकसभा और राज्यसभा सचिवालयों तथा पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च से प्राप्त होता है। रवि किशन ने इस सम्मान को लेकर खुशी जाहिर की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र की जनता का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा, ह्यह पुरस्कार न केवल मेरे लिए एक प्रेरणा है, बल्कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारियों की पुष्टि भी है। मैं इसे गोरखपुर की जनता की जीत मानता हूँ, जिन्होंने मुझे सेवा का अवसर दिया। गौरतलब है कि संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए कुल 17 सांसदों और दो संसदीय स्थायी समितियों को चुना गया है। इनमें रवि किशन के अलावा भर्तृहरि महताब, सुप्रिया सुले, एन.के. प्रेमचंद्रन और श्रीरंग अप्पा बारणे जैसे सांसद शामिल हैं, जिन्हें 'संसदीय लोकतंत्र में उत्कृष्ट और निरंतर योगदान' के लिए यह पुरस्कार दिया जाएगा। रवि किशन के इस सम्मान से गोरखपुर समेत पूरे पूर्वांचल क्षेत्र में खुशी की लहर है। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके समर्थकों के लिए गर्व की बात है, बल्कि अन्य जनप्रतिनिधियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है।

सरस्वती शिशु मन्दिर पक्कीबाग का सी.बी.एस.ई बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत सफलता

हाई स्कूल और इंटरमीडिएट दोनों में शानदार प्रदर्शन, सभी छात्र हुए उत्तीर्ण

गोरखपुर। सी.बी.एस.ई बोर्ड परीक्षा सत्र 2024-25 में सरस्वती शिशु मन्दिर (10+2) पक्कीबाग, गोरखपुर के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय को गौरवान्वित किया है। हाई स्कूल और इंटरमीडिएट दोनों परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया। विद्यालय के 381 छात्र इंटरमीडिएट व 374 छात्र हाई स्कूल परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इस सफलता पर विद्यालय में हर्ष का माहौल रहा। प्रधानाचार्य डॉ. राजेश सिंह, प्रदेश निरीक्षक श्री राम सिंह, प्रबंधक श्री संजय जायसवाल, कोषाध्यक्ष महेश गर्ग व प्रथम सहायक श्रीमती रुक्मिणी उपाध्याय सहित समस्त शिक्षकों ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य डॉ. सिंह ने अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "यह विद्यालय सदैव उत्कृष्ट परिणाम व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए समर्पित रहा है। जल्द ही मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।"

इंटरमीडिएट में टॉप करने वाले छात्र-छात्राएं:

वैभव कुमार (कला) - 94.6%
कृष्णानंद प्रजापति (मैथ) - 94.4%
शिवदर्शनी (कला) - 93.8%
अनन्या पाठक (कला) - 93.2%
राज रोशन तिवारी (बायो) - 92.2%
सिद्धि शुक्ला (कॉमर्स) - 89.8%
प्रतीक्षा गुप्ता (मैथ) - 89.6%
शिवेश पाण्डेय (बायो) - 89.6%
नूर अफसान (कॉमर्स) - 89.6%
श्रेय कनौजिया (कला) - 89.2%
पंखुड़ी रस्तोगी (कला) - 89%

हाई स्कूल के प्रमुख मेधावी:

हर्षित कुमार दुबे - 97.2%
मोनू कुमार - 95.8%
गोपाल उपाध्याय - 94.6%
प्रतीक निगम - 94.4%
आकर्ष मणि त्रिपाठी - 94.4%
आराध्य पाण्डेय - 92.8%
कुश वैश्य - 92.8%
मोहिका गुप्ता - 92.2%
आयुषी पाण्डेय - 92%
अनुष्का दुबे - 91.6%

विद्यालय के सी.बी.एस.ई परीक्षा प्रमुख श्री गिरीश चन्द्र पाण्डेय ने बताया कि यह सफलता विद्यार्थियों के परिश्रम, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

गोरखपुर की तपती दोपहर में SI न्यूज पत्रकारों की मानवीय पहल

42 डिग्री गर्मी में ट्रैफिक पुलिस व होमगार्ड को पिलाया ठंडा पानी, लोगों से की सहयोग की अपील

गोरखपुर। जहां एक ओर शहर में पारा 42 डिग्री तक चढ़ चुका है, वहीं दूसरी

ओर इसी गर्मी में ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी और होमगार्ड सड़कों पर नागरिकों की सुरक्षा और सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए डटे हुए हैं। ऐसे में SI न्यूज के पत्रकार जावेद खान एवं मोहम्मद साकिब ने एक मानवीय पहल करते हुए सड़कों पर तैनात पुलिसकर्मियों को ठंडा पानी पिलाकर राहत पहुंचाई। SI न्यूज द्वारा इस पहल के जरिए आम जनता से भी अपील की गई कि वे अपने स्तर से सहयोग करें—तपती धूप में काम कर रहे पुलिसकर्मियों को पानी दें, यातायात नियमों का पालन करें और उनकी मेहनत की सराहना करें। इस संदर्भ में एसपी ट्रैफिक संजय कुमार ने SI न्यूज से बातचीत में बताया कि, "पुलिसकर्मियों के लिए ऐसे विशेष हेलमेट उपलब्ध कराए गए हैं जो गर्मी में सिर को ठंडा रखने में सहायक होंगे। साथ ही, जगह-जगह पेयजल व्यवस्था और स्वास्थ्य कीट भी मुहैया कराए जा रहे हैं ताकि ड्यूटी पर तैनात कर्मियों का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके।" यह पहल न सिर्फ इंसानियत की मिसाल है बल्कि समाज को यह याद दिलाती है कि सुरक्षा देने वालों के लिए हमारा सहयोग भी जरूरी है।

डा राजेश कुमार श्रीवास्तव को शोध कार्य के लिए किया गया सम्मानित

गोरखपुर। डॉ. राजेश कुमार श्रीवास्तव समाजसेवी एवं कुशल शिक्षाविद् के रूप में गोरपुर

के कई विद्यालयों में बच्चों को उनकी शैक्षणिक स्थिति एवं मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में कई वर्षों से परामर्श सेवाएं प्रदान कर रहे है। जिसमें नवोदय विद्यालय भी शामिल है। डॉ. राजेश कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व डा सुरेंद्र कुमार श्रीवास्तव जो कि मिजार्पुर गोरखपुर के निवासी हैं। अपना शोध कार्य इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश से शिक्षा संकाय के डीन प्रोफेसर जनेंद कुमार के कुशल मार्गदर्शन में पूरा किया। अब पूरा गोपालपुर उनकी इस सफलता पर गौरवान्वित है। अब इस अवसर पर 17 मई 2025 को फेनमेन स्कूल द्वारा उन्हें इस कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव वी.के.श्रीवास्तव निदेशक जे.के. श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य एस.के. श्रीवास्तव, ग्राम प्रधान-आनंद सिंह एवं वरिष्ठ भाजपा नेता संदीप श्रीवास्तव सहित समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

आनंदपूर्णिमा पर जरूरतमंदों के बीच वितरित हुई आवश्यक सामग्री

श्री श्री आनंदमूर्ति जी के 104वें जन्मदिवस पर सेवा कार्यक्रमों की धूम

कसिहार, गोरखपुर। विकास खंड कौड़ीराम के कसिहार गांव में श्री श्री आनंदमूर्ति जी के 104वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित आनंदपूर्णिमा के अंतर्गत सेवा भावना से परिपूर्ण विविध कार्यक्रमों की कड़ी में बुधवार को जरूरतमंदों के बीच जनोपयोगी वस्तुओं का वितरण किया गया। पूर्व निर्धारित योजना के तहत कसिहार, बेलीपार और मलाव के चिन्हित जरूरतमंद परिवारों को छाता, मच्छरदानी, चादर और अंगोछा वितरित किए गए। इससे पूर्व गोरखपुर स्थित आनंद मार्ग प्रचारक संघ आश्रम, बेतियाहाता में तीन दिवसीय जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उत्सव की पूर्व संध्या पर कीर्तन, फ्च क्लब मीटिंग और नारायण सेवा

आयोजित की गई, जबकि मुख्य दिवस पर 9 घंटे का कीर्तन, सहकारिता विभाग का उद्घाटन, रक्तदान शिविर, राहगीरों को ठंडा पेय जल व शरबत वितरण और सैकड़ों लोगों को नारायण सेवा के तहत भोजन कराया गया। इस सेवा कार्य में आचार्य सिद्धाथार्नंद अवधूत, अवधूतिका आनंदवेदिता आचार्या, भुक्ति प्रधान संजय श्रीवास्तव, डॉ. रंजना बागची, डॉ. धनीराम, डॉ. राकेश, मेजर साकेत, तपन विकास उदयन, एवं राजीव, संजय तिवारी, विवेक, विद्यानंद, कृपाचार्य, कमलेश, पूजा, अर्चना, संध्या, संगीता समेत अनेक सेवाभावी कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जन्मदिवस पर आयोजित यह सेवा कार्यक्रम न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर गया, बल्कि समाज के वंचित वर्गों के जीवन में राहत और सुकून का संदेश भी छोड़ गया।

सनातन संस्कृति की रक्षक हैं माताएँ : रुक्मिणी उपाध्याय

सरस्वती शिशु मन्दिर पक्कीबाग में मातृ भारती का गठन सम्पन्न

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मन्दिर, पक्कीबाग में छात्रों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मातृ भारती का गठन किया गया। विद्यालय के सरस्वती कक्ष में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की मुख्य वक्ता विद्यालय की प्रथम सहायक रुक्मिणी उपाध्याय ने कहा कि माताएं सनातन संस्कृति की रक्षक हैं। मातृ भारती के गठन का मुख्य उद्देश्य माताओं को विद्यालय की गतिविधियों से सक्रिय रूप से जोड़ना, बच्चों की शिक्षा और संस्कार में उनकी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना है। मातृ भारती का उद्देश्य विद्यालय एवं अभिभावकों के मध्य एक सशक्त सेतु का निर्माण करना है। इस मंच

के माध्यम से शैक्षिक एवं सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श व समाज निर्माण में मातृ शक्ति की भागीदारी के साथ शिक्षा में सहायक मार्गदर्शन प्राप्त हो सकेगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ राजेश सिंह ने कहा कि मातृ भारती के माध्यम से माताओं की सक्रिय भागीदारी बनी रहेगी जिससे निश्चित रूप से बच्चों के शैक्षिक एवं चारित्रिक विकास को नई दिशा मिलेगी। मातृ भारती छात्रों के उज्जवल भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मातृ भारती की नव गठित कार्यकारिणी इस प्रकार से है-

अध्यक्ष पुष्पा सिंह, उपाध्यक्ष प्रिया जी, मंत्री कंचन लता त्रिपाठी, सहमंत्री ज्योति राव, कोषाध्यक्ष जया त्रिपाठी, मीडिया रूपा वर्मा, मीडिया सहायक गौरी साहू, स्वच्छता एवं पर्यावरण मंत्री नीलू गुप्ता, विज्ञान मंत्री अनुराधा जायसवाल, पर्यटन मंत्री व कार्यक्रम मंत्री चंद्रा तिवारी, संस्कृति संरक्षण मंत्री अनीता सिंह, शिल्पकला एवं कौशल मंत्री गुड़िया दुबे, चिकित्सा मंत्री स्मिता शर्मा, बालिका शिक्षा मंत्री सुमन वर्मा एवं संरक्षिका के पद पर विद्यालय की प्रथम सहायक रुक्मिणी उपाध्याय जी का चयन हुआ। इस अवसर पर नवचयनित पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराते हुए मुख्य अतिथि साधना सिंह जी ने भारतीय संस्कृति के उत्थान में मातृशक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन प्रियंवदा सिंह ने किया, स्वागत सुनीता जी ने किया। गीत अंशिका जी एवं भजन भैया विवान एवं विनायक द्वारा हुआ कार्यक्रम में गणमान्य जन, विद्यालय के शिक्षकगण सहित बड़ी संख्या में मातृ शक्ति की उपस्थिति रही।

Sanjay Shukla Appointed Vice President of Uttar Pradesh Combat Sports Association

Gorakhpur | Sanjay Shukla, a resident of Jungle Sikri, Gorakhpur, has been appointed the Vice President of the Uttar Pradesh Combat Sports Association by the Combat Federation of India.

Known for his longstanding commitment to social service and sports development, Shukla has consistently worked to support athletes and promote sporting activities. Recognizing his dedicated contributions in these fields, the national executive body of the Combat Federation of India has entrusted him with this significant responsibility to boost combat sports and athlete welfare in Uttar Pradesh.

The announcement has been met with great enthusiasm among sports lovers and locals, with many expressing their joy and congratulations.

Several notable figures have extended their best wishes, including Sahjanwa MLA Pradeep Shukla, Chargawan Block Representative Munna Singh, International Wrestling Coach and NER Sports Officer Chandra Vijay Singh, UP Kesari Bhorik Yadav, Wrestler Shatrudhan Rai, Sardarnagar Block Representative Harendra Yadav, Wrestlers Viveka Tiwari, Maya Shankar Shukla (Zila Panchayat Member), Prakash Mishra, Durga Prasad Mishra, Ramesh Rai, Prince Shukla, Vikas Rai, Wrestling Coach Markandeya Tiwari, Wrestler Prateek Pandey, International Player Chandra Prakash Mani Tripathi, Wrestler Sanjay Rai, Anthem Healthcare's Amrendra Rai, Dr. Dhirendra Prakash Rai (Kalp Nath Rai Group of Colleges), President of Gau Sevak Sangh Dr. Vinay, Balram Agrawal, and National Media In-Charge of Combat Federation of India Pawan Kumar Gupta.

They all congratulated Sanjay Shukla on his new role and wished him a bright and impactful future in advancing combat sports in the region.

Ashoka University professor arrested 'over remarks on Operation Sindoor briefing by women officers'

Chandigarh | Ashoka University professor arrested: Days after the Haryana State Commission for Women issued a show-cause notice to Ali Khan Mahmudabad, associate professor and head of the Department of Political Science at Ashoka University in Sonipat, over his remarks which allegedly "disparaged women officers in the Indian Armed Forces and promoted communal disharmony", the Haryana Police Sunday said that the professor has been arrested. Ajeet Singh, Assistant Commissioner of Police (ACP), Rai (Sonipat), told The Indian Express that Mahmudabad has been arrested in Delhi. The police have not divulged the information regarding the charges levelled against him in the case, but sources said that a First Information Report (FIR) has been registered against him on the basis of a complaint of a BJP leader. On May 12, the Commission had issued the notice to Mahmudabad after taking suo motu cognisance of his social media posts following

Operation Sindoor on May 7. The remarks have been annexed in the show-cause notice. Mahmudabad was also summoned to appear before the Commission. Mahmudabad had called the optics of the media briefing on Operation Sindoor by women officers – Colonel Sofiya Qureshi and Wing Commander Vyomika Singh – important but said it would be "hypocrisy" if it didn't translate to reality on the ground. The Commission has interpreted his remarks as "an attempt to vilify national military actions". In a statement to the media on May 14, Mahmudabad said that his remarks were "completely misunderstood" and claimed that the Commission had "no jurisdiction whatsoever" in the matter. Mahmudabad also said the summons failed to highlight how his post is contrary to the rights or laws of women. "Contrary to the allegations, my post appreciated the fact that the armed forces chose Colonel Sofia Qureshi and Wing Commander Vyomika Singh for the press conference to highlight that the dream of the founders of our Republic, of an India united in its diversity, is still alive,"

"This is a new form of censorship and harassment," Mahmudabad said, referring to the actions of the Commission. "I have faith in the process of law and know that my fundamental, constitutional, and statutory rights will be protected," he added.

Meanwhile, academics have initiated a letter campaign, demanding that the Commission retract the summons and offer him an unconditional apology.

गुरुकुल एनलाइटेड पब्लिक स्कूल के छात्रों का बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

कक्षा 10 और 12 में अव्वल रहे छात्र हुए सम्मानित

गोरखपुर। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024झ25 में गुरुकुल एनलाइटेड पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। कक्षा

10 में सौम्या चौरसिया ने 93% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं आशीष रंजन शर्मा ने 90.2% अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा 12 में अग्रिमा सिंह ने 83.4% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय में आज एक सम्मान समारोह आयोजित कर सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक श्री बलराम सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, निरंतर कठिन परिश्रम से ही सफलता संभव है। हम सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य यस डी. शुक्ला ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि बच्चे ही राष्ट्र का भविष्य हैं। जब वे प्रगति करेंगे, तभी समाज और देश आगे बढ़ेगा। सम्मानित विद्यार्थियों में कक्षा 10 से उज्ज्वल गुप्ता, स्तुति त्रिपाठी, मोहम्मद अजफर अंसारी, शिवेन कुमार, अंकिता मद्देशिया तथा सुधेन्द्र शेखर पांडेय शामिल रहे। कक्षा 12 से अनिवेश चौहान, दिलशाद आलम और इरतिका परवीन को भी उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी।

Sanvi Tops RBL School with an Outstanding 97.28% in High School Exams

Gorakhpur | Sanvi Srivastava has brought pride to her family and RBL School, Vikas Nagar, by securing an impressive 97.28% in her high school board examinations, making her the school topper. Her mother, Mrs. Pooja Srivastava, is a homemaker, while her father serves as a Senior Legal Officer at the North Eastern Railway Headquarters in Gorakhpur.

Sanvi comes from an academically inclined family. Her grandfather, Mr. O.P. Srivastava, was a renowned mathematics teacher in Purvanchal and retired from the prestigious M.G. Inter College, Gorakhpur.

The entire family, relatives, and well-wishers are showering Sanvi with

blessings and congratulations for her stellar achievement. Sanvi credits her success to the constant support of her parents, teachers, and especially her beloved grandfather.

Looking ahead, Sanvi has expressed her aspiration to serve the nation through both the medical field and administrative services, combining compassion with leadership.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद-गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला-द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद-गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक : शक्ति शंकर
मो नं. 7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।